Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

20 अगस्त 2025

वर्ष - 03, अंक - 16 - मूल्य 02 रूपए

Periodicity- Weekly

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

देश के दिल में नशे की 'रसोई', 11 महीने में भोपाल से दो बड़ी ड्रग फैक्ट्रियां पकड़ी गईं

भोपाल। देश का हृदय प्रदेश मध्य प्रदेश और उसकी राजधानी भोपाल इन दिनों नशे की 'रसोई' बनती जा रही है। बीते दस माह में यहां एमडी ड्रग बनाने की दो बड़ी फैक्ट्रियां पकड़ी गईं, जिनकी सप्लाई मंदसौर से लेकर मुंबई, गुजरात और राजस्थान तक होती थी। इनके नेटवर्क में नाइजीरिया और थाइलैंड की महिलाएं भी शामिल पाई गईं। जांच एजेंसियों के अधिकारी भी मान रहे हैं कि भोपाल ड्रग तस्करों के लिए सुरक्षित पनाहगाह साबित हो रहा है। यहां से विदेश तक नशे की सप्लाई हो रही है।

करीब 900 किलो ड्रग बरामद

भोपाल के आसपास बंद पड़ी फैक्ट्रियों को किराए पर लेकर ड्रग कारोबार चलाया जा रहा था, जबकि स्थानीय पुलिस लापरवाह बनी रही। अक्टूबर 2024 में गुजरात एटीएस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने संयुक्त कार्रवाई कर कटारा हिल्स के ग्राम बगरोदा में एमडी ड्रग फैक्ट्री पकड़ी थी और करीब 900 किलो ड्रग बरामद किया गया था। दूसरा मामला इसके 11 महीने बाद सोमवार को ही जगदीशपुर में सामने आया, जहां 61.2 किलो एमडी ड्रग बरामद की गई। यह कार्रवाई राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआइ) की टीम ने की।

ड्रग माफिया के लिए सुरक्षित रास्ता - अधिकारी भोपाल के नशे की 'रसोई' बनने की बड़ी वजह इसकी भौगोलिक स्थिति मान रहे हैं। भोपाल से ब्यावरा (राजगढ़) से होते झालावाड़ से राजस्थान में प्रवेश किया जा सकता है। वहां से हरियाणा और दिल्ली तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। इनके रास्तों में कहीं चेक पोस्ट नहीं है। फ्लाईओवर नहीं होने के कारण वाहन शहर के बाहर से निकल जाते हैं। यह ड्रग माफिया के लिए बेहद सुरक्षित रास्ता है। इसी तरह नागपुर होते हुए महाराष्ट्र के कई हिस्सों में पहुंचा जा सकता है।

स्थानीय स्तर पर सप्लाई नहीं - बगरोदा में हुई कार्रवाई में शामिल अधिकारी आर.के. सिंह ने बताया कि जांच और पूछताछ में यह सामने आया कि फैक्ट्री शहर से बाहर सुनसान इलाके में चलाई जा रही थी। पुलिस भी वहां बहुत कम ही पहुंचती थी। बंद पड़ी एक फैक्ट्री को किराये पर लेकर उसमें यह अवैध कारोबार चल रहा था। आरोपित हाईवे से होकर सीधे बाहर निकल जाते थे ताकि स्थानीय स्तर पर पकड़ में न आएं। खास बात यह भी रही कि गिरोह जिस शहर में ड्रग तैयार करता था, वहां और आसपास सप्लाई नहीं करता था। मामले में गिरोह का सरगना सहित तीन आरोपित अब भी फरार हैं।

विदेशी तस्करों की संलिप्तता - पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने बताया कि जुलाई में क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थ तस्कर यासीन अहमद उर्फ 'मछली' और उसके चाचा शाहवर अहमद को गिरफ्तार किया था। जांच में पता चला कि दोनों अंतरराष्ट्रीय तस्करों से भी जुड़े हैं। इस नेटवर्क से जुड़े दिल्ली के नाइजीरियन युवक और थाइलैंड की महिला को भी गिरफ्तार किया गया। भोपाल में ड्रग सप्लाई का काम थाई महिला के जरिये किया जा रहा था। यासीन से मिली जानकारी के आधार पर अन्य आरोपित भी पकड़े गए। यासीन पार्टी डीजे का काम करता था और इसी बहाने विदेशी तस्करों से संपर्क में आकर नशा मंगवाता था।

पुलिस में दर्ज होने वाले मामले बढ़े - ड्रग के मामलों में बड़ी कार्रवाई एनसीबी और डीआरआइ ने की लेकिन पुलिस में भी इसके मामले बढ़ रहे हैं। इस वर्ष जनवरी से 17 अगस्त तक भोपाल में एनडीपीएस एक्ट के 35 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 62 आरोपित गिरफ्तार किए गए।

पीएम जल्द आएंगे भोपाल का दौरा, मेट्रो का शुभारंभ और पीएम मित्रा पार्क का करेंगे भूमिपूजन

भोपाल। प्रदेश स्तरीय किसान सम्मेलन भोपाल में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसमें आने की सहमति दी है। हालांकि, अभी इसकी तारीख निर्धारित नहीं है। इस मौके पर मोदी भोपाल मेट्रो का शुभारंभ और धार के बदनावर में पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक के पहले मंत्रियों को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले ही दिल्ली में मोदी से भेंट कर उन्हें इन कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री का इस वर्ष प्रदेश में यह पांचवां दौरा होगा। सीएम ने यह भी बताया कि आगामी डेढ़ माह में प्रदेश को 5.60 लाख टन यूरिया मिलने की संभावना है।

पूंजीगत व्यय में वृद्धि, प्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन - मुख्यमंत्री ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में पूंजीगत व्यय में वृद्धि वाले प्रथम तीन राज्यों में मध्य प्रदेश ने अपना स्थान बनाया है। कैग के आंकड़ों के अनुसार, देश के 16 राज्यों ने पिछले वर्ष की तुलना में पूंजीगत व्यय में वृद्धि दर्ज की है। गुजरात 65 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश 42 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में 41 प्रतिशत वृद्धि हुई है। साल दर साल वृद्धि के साथ प्रदेश का यह सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन है।

उन्होंने साथ ही बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश ने निर्यात में अपनी रैंकिंग सुधारते हुए अब तक का सबसे अधिक 66 हजार 218 करोड़ रुपये का निर्यात किया है।

निर्यात में छह प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो फार्मास्युटिकल, इंजीनियरिंग गुड्स और सोया उत्पादों में निर्यात बढ़ने के चलते है। राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात में मध्य प्रदेश की रैंकिंग 15 से 11 हो गई है।

एमपी सरकार की पीएम ने की प्रशंसा - बैठक में मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम पर किए गए नवाचार के संबंध में मंत्री साथियों से फीडबैक लिया और प्रशंसा की। साथ ही प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू करने के लिए प्रधानमंत्री की प्रशंसा की।

अभी तक किसानों को 13.92 टन यूरिया वितरित - मुख्यमंत्री ने बताया कि यूरिया का कुल भंडारण 15.60 लाख टन है, जिसमें से 13.92 लाख टन किसानों को वितरित किया गया है और 1.68 लाख टन शेष है। प्रदेश में मक्का का क्षेत्रफल लगभग पांच लाख हेक्टेयर बढ़ जाने के कारण यूरिया की मांग बढ़ी है।

हिंदू-राष्ट्र का झंडा फहराएगा तो पहला नंबर राजस्थान का होगा - धीरेंद्र शास्त्री

यहां घोड़े-हाथी भी कट्टर, कश्मीर तो लेंगे, दहेज में पाकिस्तान भी उठाएंगे

सीकर । कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- हिंदू राष्ट्र का झंडा कहीं फहराएगा तो पहला नंबर राजस्थान का ही होगा। यह वह भूमि है, जहां महाराणा प्रताप की तलवार ने विरोधियों को नाकों तले चने चबवा दिए थे।

रामप्रसाद हाथी को जब विरोधी पकड़कर ले गए, वह इतना कट्टर हिंदू था कि मनुष्य न होने के बावजूद भी दुश्मन के घर का न पानी पिया। न खाना खाया। राजस्थान में यह समर्पण है। इसलिए इसे वीरों की भूमि कहा जाता है।

राजस्थान के लोग ही नहीं बल्कि घोड़े और हाथी भी कट्टर हिंदू हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने सीकर के रैवासा धाम में चल रहे 9 दिवसीय 'सियपिय मिलन महोत्सव' में ये बात कही।

धीरेंद्र शास्त्री ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा- अब छेड़ोगे तो छोड़ा नहीं जाएगा। कश्मीर तो लेंगे ही और साथ में दहेज में पाकिस्तान भी उठा लेंगे।

कट्टर हिंदुओं की भूमि है राजस्थान - धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- रैवासा धाम और इसके आसपास के लोग परम भाग्यशाली हैं। क्योंकि इतने संतों के वह एक साथ दर्शन कर रहे हैं। वे अपना पूरा जीवन भी लगा दें तो इतने संतों के एक साथ दर्शन नहीं कर सकते। यह किशोरी जी और जानकी जी की भूमि है। भगवान को पाने का एकमात्र उपाय भक्ति है। मेरा यहां के लोगों से निवेदन है कि इसे तीर्थ घोषित करवाने के लिए प्रयास करें।

उन्होंने कहा- राजस्थान महावीर की भी भूमि है। क्योंकि राजस्थान में दो बालाजी के मंदिर हैं। एक तो सालासर बालाजी और दूसरा मेहंदीपुर बालाजी। अब रैवासा धाम के कारण यह भूमि रघुवीर की भी भूमि हो गई है।

गो-माता के लिए पदयात्रा निकालेंगे - धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- हम जल्द ही यहां कथा सुनाने आएंगे। 7 से 16 नवंबर तक भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने, गो-माता को राष्ट्र माता बनाने, भारत में होने वाले गोवध पर प्रतिबंध लगाने के लिए पदयात्रा निकालेंगे। आप सब लोगों को उसमें आना है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

आपदा में राहत देने के बजाए जब कुर्सी हिलाने पहुंच गए कई सांसद!

गोपाल नारसन

उत्तराखंड में आई इस भयावह प्राकृतिक आपदा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे सांसदों को प्रधानमंत्री ने साफ और सख्त संदेश दिया है कि यह समय एकजुट होकर उत्तराखंड को बचाने का है। दिल्ली में उनसे मिलने पहुंचे सांसदों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा, 'उत्तराखंड में संकट की घड़ी है। आप सभी तत्काल धराली और हर्षिल जैसे प्रभावित क्षेत्रों में जाएं और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सहयोग करें।'

उत्तरकाशी आपदा से जूझ रहे उत्तराखंड में जब मलबे में दबे लोगो की जिंदगी तलाशने की जंग जारी थी,उसी समय देवभूमि के कुछ सांसद कुर्सी की चाहत में प्रधानमंत्री से मिलने पहुंच गए।यूं तो कई बार विपक्ष के बजाए सत्ता पक्ष के ही कुछ लोगो ने मौजूदा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अनेक मामलों में शिकायत कर उन्हें सत्ता से बेदखल करने का असफल प्रयास किया है,लेकिन इस बार तो हद ही हो गई राज्य प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा था।भारतीय सेना ,एनडीआरएफ के जवानों व प्रदेश के मुखिया ने प्रलय स्थल पर जाकर मलबे में दबे लोगो को निकालकर उनमे जिंदगी खोजने का काम किया है तो करीब एक हजार लोगों को रेस्क्यू कर उनकी जान भी बचाई है।

उत्तराखंड में आई इस भयावह प्राकृतिक आपदा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे सांसदों को प्रधानमंत्री ने साफ और सख्त संदेश दिया है कि यह समय एकजुट होकर उत्तराखंड को बचाने का है। दिल्ली में उनसे मिलने पहुंचे सांसदों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा, 'उत्तराखंड में संकट की घड़ी है। आप सभी तत्काल धराली और हर्षिल जैसे प्रभावित क्षेत्रों में जाएं और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सहयोग करें।' प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार उत्तराखंड की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। राज्य को हर आवश्यक सुविधा और सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी खुद मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। साथ ही वे लगातार प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। मोदी ने सांसदों से अपेक्षा जताई कि सिर्फ बैठकें या औपचारिकता नहीं, अब जमीनी स्तर पर मदद की जरूरत है। प्रधानमंत्री के इस निर्देश से उन राजनीतिक लोगो को कड़ा संदेश गया है जो इस आपदा की घड़ी में केवल राजनीति करने तक सीमित बने हुए है।ऐसे राजनेता ओ को उन्होंने साफ कहा कि जनता के बीच जाकर राहत व पुनर्वास कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रधानमंत्री की इस सख्ती को लेकर राजनीतिक हलकों में इन दिनों चर्चा तेज है ।वही उत्तराखंड धराली आपदा रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है।उत्तराखंड सरकार ने आपदा पीड़ितों के लिए सहायता राशि का ऐलान किया।धराली आपदा में जीवन खोने वाले लोगों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जायेगा।जिन लोगों ने अपने मकान गंवाए हैं, उन्हें भी 5-5 लाख रुपए की त्वरित सहायता राशि दी जाएगी। इसके साथ ही पंजाब नेशनल बैंक ने आपदा प्रभावितों के लिए 1 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की है। इस विनाशकारी आपदा ने कई जिंदगियां को छीन लिया है, वहीं लापता लोगों की तलाश में रेस्क्यू टीमें जुटी हुई हैं। सेना और आईटीबीपी के साथ एनडीआरएफ,

एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस रेस्क्यू कार्य में दिन रात मेहनत कर रही है।भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स के 125 जवान, घातक टीम के 10 जवान, स्पेशल फोर्स के 30 जवान और बीईजी रुड़की के 250 जवान मलबे व कीचड़ के बीच लोगों को खोज रहे हैं।इसके अलावा सेना के 75 जवान और 7 खोजी कुत्ते मलबे में दबे लोगों का पता लगाने में जुटे हैं। इतना ही नहीं आईटीबीपी के 113 जवान पैदल मार्गों से प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर राहत कार्य कर रहे हैं। भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण प्रभावित क्षेत्र में ठप्प हुई बिजली आपूर्ति को बहाल कर दिया गया है। लगातार भारी वर्षा, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से बिजली के पोल, तार, ट्रांसफार्मर और उपसंस्थानों को गंभीर क्षति पहुंची है।सौर ऊर्जा तथा माइक्रो हाइड्रो ग्रिड से निरंतर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की जा रही है। राजभवन में मुख्यमंत्री धामी ने राज्यपाल से मुलाकात कर धराली और हर्षिल में चल रहे आपदा राहत कार्यों एवं प्रभावित लोगों के पुनर्वास के संबंध में उन्हें जानकारी दी।धराली में एसडीआरएफ की टीमें मलबे में दबे ध्वस्त भवनों में लगातार सर्चिंग कर रही है। लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए आधुनिक उपकरणों और डॉग स्क्वाड की सहायता ली जा रही है. ड्रोन के माध्यम से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थितियों पर नजर रखी जा रही है। उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव आर राजेश कुमार ने बताया कि भर्ती 15 मरीजों में से चार को छुट्टी दे दी गई है। उत्तरकाशी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन पर उत्तराखंड के स्वास्थ्य सचिव आर. राजेश कुमार ने कहा, मैंने धराली में ग्राउंड जीरो का दौरा किया और हमारे स्वास्थ्य विभाग ने शिविर स्थापित किए हैं. मैं उत्तरकाशी के ज़िला अस्पताल का भी दौरा करूंगा, जहां कुछ मरीज भर्ती हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के तहत, स्वास्थ्य विभाग, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और भारतीय सेना की टीमें एक साथ मिलकर काम कर रही हैं। धराली में करीब नौ डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इसके अलावा, 28 एम्बुलेंस और बैकअप एम्बुलेंस तैनात की गई हैं।मुख्यमंत्री ने आपदा से प्रभावित ग्रामीणों के पुनर्वास, समग्र पुनरुद्धार और स्थायी आजीविका के सुदृढ़ीकरण हेतु तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की है। यह समिति सचिव, राजस्व की अध्यक्षता में गठित की गई है, जो एक सप्ताह के भीतर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को प्रस्तुत करेगी।उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि बचाव अभियान अभी जारी है,फंसे लोगों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है।धराली में संपर्क मार्गों को दुरुस्त किया जा रहा है। आपदा प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित की जा रही है।गंगनाली में वैली ब्रिज का कार्य जारी है। धराली में जलविद्युत परियोजना से विद्युत व्यवस्था बहाल कर दी गई है। अभी तक कुल 931 लोगों का रेस्क्यू हो चुका है। हर्षिल से कुल 95 लोगों को मातली लाया गया।107 लोगों को चिन्यालीसौड़ लाया गया।उत्तरकाशी में आपदाग्रस्त क्षेत्र में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से आईटीबीपी मातली व चिन्यालीसौड़ पहुंचाने का सिलसिला जारी है। धराली क्षेत्र में आई त्रासदी ने धराली गांव के लोगों का व्यवसाय छीन लिया है।बड़ी संख्या में घर तबाह हो गए,लेकिन गांव के लोगों की हिम्मत और उनकी एकता को यह तबाही नहीं तोड़ पाई है।आपदा के करीब 3 दिन बाद धराली गांव के लोग वापस अपने उसी बाजार में इकठ्ठा हुए और उन्होंने धराली में ही मौजूद सोमेश्वर मंदिर में एक साथ रहने का फैसला किया है।इस मंदिर में कीर्तन मंडली के कमरे में ही गांव के 150 लोगों का खाना बन रहा है और यहां की महिलाएं सभी के लिए एक साथ भोजन तैयार कर रही हैं। ग्रामीणों ने मन बना लिया है कि चाहे कुछ भी हो जाए गांव के लोग अलग-अलग नहीं होंगे और एक साथ ही रहेंगे।प्रमुख भूविज्ञानी डॉ. वाई.पी. सुंदरियाल का सवाल है कि खीर गंगा नदी के किनारे इतने सारे होटल, होम-स्टे और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाने की अनुमति क्यों दी गई? सुंदरियाल कहते हैं, 'नदियों के बाढ़ वाले मैदानों और जलग्रहण क्षेत्रों में निर्माण कानूनन प्रतिबंधित है, फिर भी पूरे उत्तराखंड में ऐसे अवैध निर्माण जारी हैं। केदारनाथ हो, जोशीमठ या अन्य पहाड़ी शहर हर तरफ व्यावसायिक हित हावी हैं और पर्यावरणीय मानदंडों पर न्यूनतम ध्यान है।'

परंपरागत रूप से, गांव और शहर नदी तटों से एक निश्चित ऊंचाई और दूरी पर बसाए जाते थे। अब ऐसा नहीं है। लोग भूल गए हैं कि एक नदी देर-सबेर अपने जलग्रहण क्षेत्र में लौटती ही है, जैसा कि 2013 में मंदाकिनी और सरस्वती नदियों के साथ हुआ था। सुंदरियाल कहते हैं कि इन पर्वतीय क्षेत्रों में वर्षा भले कम हुई, लेकिन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन अप्रत्याशित बढ़ा है, जो जलवायु परिवर्तन जनित आपदाओं का कारण है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और आर. महादेवन ने 5 अगस्त को हिमाचल सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, 'पर्यावरण और पारिस्थितिकी की कीमत पर राजस्व अर्जन नहीं हो सकता। हालात ऐसे ही रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब पूरा हिमाचल देश के नक्शे से गायब हो जाएगा।' वह सभी हिमालयी राज्यों के लिए ऐसा क्यों नहीं करता- विशेषकर उत्तराखंड के लिए, जो पिछले दो दशकों से 'विकास' के बोझ का मारा हुआ है? मौसम विभाग के मुताबिक 4-5 अगस्त को वहां पर 9 से 10 मिमी ही बारिश हुई जबकि बादल फटने के समय 100 मिमी से ज्यादा बारिश होती है।वैज्ञानिकों का कहना है कि इसकी वजह भूस्खलन से पानी का प्रवाह रुकने से अस्थाई झील बनना, पर्वत की तलहटी पर रुके पानी में ग्लेशियर या चट्टान का गिरना या फिर फ्लैश फ्लड हो सकती है। पूर्व वैज्ञानिक डॉ. डीपी डोभाल बताते हैं कि धराली फ्लड प्लेन में बसा है। धराली के पीछे डेढ़-दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। जिस खीर गाड से फ्लैश फ्लड आया वो उन्हीं जंगलों से होकर गुजरता है। उसके ऊपर बर्फीला पर्वत है लेकिन जिस गति से फ्लैश फ्लड आया है वो बादल फटने जैसा नहीं है।ऐसे में कोई ग्लेशियर टूटकर अस्थाई झील या जमे हुए पानी पर गिरता है तो उसे तोड़ देता है, इसी वजह से जो पानी नीचे आया वह काले रंग का और मलबा स्लेटी रंग का है। ऐसा पानी और मलबा जमे हुए स्थान के टूटने से आता है। जैसा 2021 में चमोली जिले के ऋषिगंगा हादसे में अस्थाई झील में जमा मलबा बहकर नीचे आया था,जो भारी तबाही का सबब बना था,अब फिर वही आपदा फिर से मुसीबत का सबब बन गई है।

संपादकीय

पर्यावरण सुरक्षा को लेकर सख्ती

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फिर कहा कि वह विकास के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह सतत विकास होना चाहिए। विकास संबंधी गतिविधियों में पर्यावरण और वन्य जीवन के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए। ऐसे उपाय किए जाने चाहिए जिनसे विकास गतिविधियों के कारण पर्यावरण और वन्य जीवन को होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति हो जाए। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार को कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र के समग्र पुनरोद्धार के वास्ते 'अच्छा प्रस्ताव' पेश करने के लिए छह सप्ताह का समय देते हुए उपरोक्त टिप्पणी की। स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार को परियोजना स्थल के क्रियान्वयन के दौरान काटे गए पेड़ों को फिर से लगाना होगा। इससे पूर्व 3 अप्रैल को शीर्ष अदालत ने कांचा गाजीबोवला वन क्षेत्र में वनों की कटाई की गतिविधियों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए अगले आदेश तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। मामले में 16 अप्रैल को अगली सुनवाईपर सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि अपने मुख्य सचिव को किसी भी गंभीर कार्रवाई से बचाने के लिए उसे 100 एकड़ वन-रहित भूमि को बहाल करने के लिएएक विशिष्ट योजना प्रस्तुत करनी होगी। कहना होगा कि विकास गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए वन कटान, नदी प्रवाह बाधित करने या मोड़ने जैसे काम कर दिए जाते हैं, और मजे की बात यह कि वह सब करने वाले निकाय इस नुकसान की भरपाई भी नहीं करते। चाहे मुंबई में मेट्रो प्रोजेक्ट के समय उठ खड़ी हुई पर्यावरणीय चिंताएं रही हों या दिल्ली-एनसीआर में शिवालिक पहाड़ियों और दिल्ली रिज में विकास गतिविधियों के नाम पर मचाया गया 'उत्पात' हर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने त्राणदाता की भूमिका का निर्वहन किया है। अदालत की सख्ती के चलते ही विकास के नाम से 'विनाश' को रोका जा सका है। दरअसल, विकास बनाम विनाश की बहस काफी अरसे से जारी है। सरकारी या निजी संस्थान विकास का नाम लेकर व्यापक पैमाने पर लोगों का विस्थापन करते हैं, कुदरती संसाधनों को नष्ट कर डालते हैं। सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों का निहित स्वार्थों को पूरा करने वाला एक गठजोड़,जैसा बन जाता है, जो विकास के नाम पर विध्वंस मचाता है। निगहबानी से ही उनके कुत्सित प्रयासों को रोका जा सकता है।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं क्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पिट्यूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रन्थियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार क्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यु भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की मॉसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने वाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

मुश्किल समय में हमेशा शांति से काम लें

संजय गोस्वामी

जब भी हम शांति को भंग करते हैं तो हमें चिड़चिड़ाहट होती है हमारा कौन ऐसा काम है जो हो नहीं सकता है दूसरों पर हावी होते हैं तो ऐ देखना जरूरी है हम सही हैं या गलत एक इसी तरह की घटना एक चैरीटी संस्था में हुई जो दो गुटों में बंटी है क्योंकि उसमें हकीकत कुछ और है समझ कुछ और पहले ऐ देखना जरूरी है कि मेरे पास जो पेपर हैं वो सही में चुनाव अधिकारी से नहीं चैरीटी कमीशनर से पास हुआ है या नहीं अगर सही में चैरीटी कमीशनर ने चेंज रिपोर्ट को अनुमोदन कर दिया है तो कोई दूसरा कभी दावा नहीं करेगा अतः पहले ऐ देखें हकीकत क्या है जहां तक चुनाव का सवाल है लोक सभा चुनाव में एक बार मुझे टेबलटिंग अधिकारी के साथ काम करने का अवसर मिला कितना मुश्किल होता है काउंटिंग राउंड टेबल पर इलेक्शन के दिन फॉर्म सी जो दिया जाता है जिसमें हर बूथ पर चुनावी एजेंट होते हैं वो सभी को बारीकी से देखते हैं और अंतः में फॉर्म सी होता है जिसे वहाँ काउंटर पर चेक किया जाता है और बाद में हर 1घंटे में रिजल्ट काउंटिंग ऑफिसर से टेबुलेशन अधिकारी के पास जाता है और वो आईएएस अधिकारी होता है जो इलेक्शन कमीशन को ऑनलाइन रिपोर्ट देता है और मीडिया में खबर जाती है अतः उस समय कुछ ईवीएम में खराबी आती है जिसे बाद में उसके इंजीनियर ठीक करते हैं ऐसा ना होने पर वीवीपैड से मिलान होता है और जब कैंडिडेट का वोट का मार्जिन बहुत अधिक होता है तो कहीं होता है कहीं नहीं होता निर्भर करता है कि विपक्षी कैंडिडेट क्या चाहता है अंत में चुनाव जितने का सर्टिफिकेट वहाँ का डीएम देता है अतः चुनाव में पारदर्शिता है असल में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन का मसला कम बल्कि अंदर से सरकार में ऐ मुद्दा बनता जा रहा है कि कब तक मंत्री नहीं बनेंगें जो सांसद बार बार लगातार चुन कर आये हैं कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव पद के चुनाव को बीजेपी को सतर्क होना चाहिए क्योंकि एक ही पार्टी के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सचिव पद के में राजीव प्रताप रूडी ने संजीव बालियान को हराया है। अब एक चुनाव हारने पर बालियान ने कहा कि कुछ (विपक्षी) दलों के सारे वोट एक ही उम्मीदवार को मिले। पार्टियों ने शीर्ष स्तर पर यह फैसला किया। इसने वहां मेरे उन दोस्तों को भी मजबूर किया, जो मुझे वोट देना चाहते थे, कि वे पार्टी लाइन का पालन करें और किसी दूसरे उम्मीदवार को वोट दें।ऐ दिखाता है कि अंदर सब कुछ ठीक नहीं है इसलिए शांति से सबके हित में निर्णय लेना चाहिए सबक लेनी चाहिए की पार्टी भी एक धर्म है जिसमें एकता होना चाहिए और जब अपने को बड़ा दिखाने की कोशिश में आप की पार्टी का ही नुकसान होगा इसलिए त्याग और समय अनुसार परिवर्तन जरूरी है ऐ हमेशा देखा गया है कि जहाँ रामराय जी ने मुगल दरबार में गुरु गद्दी ना मिलने या किसी अन्य कारण से गुरबाणी की त्रुटिपूर्ण व्याख्या की। उस समय की राजनैतिक परिस्थितियों एवं गुरु मर्यादा की दृष्टि से यह सब निन्दनीय थाजब गुरु हरराय साहिब जी को इस घटना के बारे में बताया गया तो उन्होंने राम राय जी को तुरंत सिख पंथ से निष्कासित किया। गुरु गोबिंद सिंह ने गुरुगद्दी पर बैठने के बाद राम राय को माफ कर दिया था, जब राम राय ने अपने पिछले अपराधों के लिए पश्चाताप व्यक्त किया और गुरु से मिलने की इच्छा जताई थी। राम राय के अनुयायी और मसंद गुरु और मुख्यधारा के सिखों के बीच किसी भी सुलह के खिलाफ थे, लेकिन फिर भी यमुना नदी के तट पर राम राय और गुरु गोबिंद सिंह के बीच एक बैठक हुई, जिसमें गुरु ने उन्हें क्षमा कर दिया। इस घटना ने सिखों में देश के प्रति क्या कर्तव्य होने चाहिए, ऐसे भावों का संचार हुआ। सिख इस घटना के बाद गुरु घर की परम्पराओं के प्रति अनुशासित हो गए। इस प्रकार गुरु साहिब ने सिख धर्म के वास्तविक गुणों, जो कि गुरु ग्रन्थ साहिब जी में दर्ज हैं, गुरु नानक देव जी द्वारा बनाये गये किसी भी प्रकार के नियमों में फेरबदल करने वालों के लिए एक कड़ा कानून बना दिया।मसंद एक नियुक्त अधिकारी या मिशनरी होता था जो सिख गुरु के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता था, दशमांश (दसवंध) एकत्र करता था और धर्म का प्रचार करता था। गुरु रामदास द्वारा वित्तीय प्रबंधन और सिख धर्म के प्रसार के लिए शुरू की गई इस व्यवस्था को बाद में गुरु गोबिंद सिंह ने मसंदों के भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के कारण उन्हें सबक भी सिखाया , क्योंकि मसंद अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने लगे थे और खुद को धार्मिक अधिकारी मानने लगे थे अतः इन सबको देखते हुए ही गुरु गोबिन्द सिंहजी ने गुरु ग्रन्थ साहिब को अपना अगला गुरु माना लेकिन गलत चीजों को गलत ही बताया किसी आवेश या किसी के बहकावे में कभी नहीं आए और उनका सारा परिवार शहीद होने के बाद भी अकाल पुरख को सब कुछ माना और मानवता को ही सबसे बड़ा धर्म माना अकाल पुरख गुरु नानक का एक संदेश था जिसका अर्थ है अकाल पुरख समय से परे या कालातीत। यह शब्द सिख धर्म में ईश्वर के लिए इस्तेमाल होता है, जो कि समय और मृत्यु से परे है। अकाल पुरख का शाब्दिक अर्थ

कालातीत प्राणी है, जो कभी नहीं मरता इसलिए उनके साथ एक बहुत बड़ी संख्या में सिख ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों के लोग भी साथ दिए दरअसल उस समय मुगल शासक औरंगजेब का इस्लाम में धर्म परिवर्तन और लूट पाट औरतों के साथ जबरदस्ती और गुरु गोविन्द सिंह के दोनों छोटे से पुत्र को जिस तरह दीवारों में चुनवाने के बाद अंतिम संस्कार हेतु राजा टोडर मल को अपने सारी सम्पति उस छोटे से जमीन के लिए दे दी जो शहीदों को दफनाया गया,और उनके दो पुत्र तो चमकोर की लड़ाई में शहीद हो गए अतः जब आप सच्चे तो कौन हिला सकता है ईश्वर पर विश्वास रखें और हमेशा समय एक जैसा नहीं होता है समय अनुसार दूसरों को भी मौका मिलना भी पार्टी या संस्था के लिए अच्छा होता है अब जो होगा किसी अच्छे के लिए ही होगा ईश्वर पर विश्वास रखें सत्ता मिलती है जितनी मुश्किल से छोड़ना भी मुश्किल जरूर होता है लेकिन यदि पार्टी के हित में हो तो पार्टी को भरोसे में लेना जरूरी है अगर वहाँ दो कैंडिडेट जो बी जे पी के ही थे आपस में मिलकर काम करते और किसी में भी त्याग की भावना होती तो इतना किरकिरी नहीं होता है वक़्त है अभी भी सबको साथ में लेकर चलने की ऐसे में शांति से काम लेना और जमीनी हकीकत को समय के साथ समझना जरूरी है।

तेल, ताकत और तेवर : चीन की ओर भारत का ऊर्जा शिफ्ट

के.के. झा

भारत ने वैश्विक ऊर्जा व्यापार में हलचल मचा दी है। चार साल बाद पहली बार भारत ने चीन को डीजल की खेप भेजी है। यह सिर्फ. एक व्यापारिक सौदा नहीं बल्कि पश्चिमी दबाव के खिलाफ भारत की रणनीतिक हुंकार है। नैयारा एनर्जी की रूसी समर्थन वाली रिफाइनरी से निकला यह डीजल उस समय चीन पहुँचा, जब पश्चिमी देश रूस की ऊर्जा आपूर्ति पर शिकंजा कसने के लिए नए प्रतिबंध और भारी टैरिफ थोप रहे थे। मगर पीछे हटने के बजाय भारत ने रास्ता बदला, पश्चिम की दादागिरी को चुनौती दी और नए भू-राजनीतिक नियम लिखने शुरू कर दिए।

:: दबाव को अवसर में बदला

रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से भारत ने मौके को भुनाया। सस्ती कीमतों पर रूसी कच्चा तेल खरीदकर अर्थव्यवस्था को सहारा दिया और विकास को गति दी। केवल वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही भारत ने 50.3 अरब डॉलर का रूसी तेल खरीदा, जो उसकी कुल आयात बिल का 35% था। इस तरह भारत, चीन के बाद रूस का दूसरा सबसे बड़ा ग्राहक बन गया। नैयारा एनर्जी और रिलायंस जैसी घरेलू रिफाइनरियों ने इस कच्चे तेल को परिष्कृत कर यूरोप तक सप्लाई किया। 2024 के अंत तक भारत, यूरोपीय संघ का सबसे बड़ा रिफाइंड रूसी क्रूड सप्लायर बन चुका था। लेकिन 18 जुलाई 2025 को तस्वीर बदल गई। यूरोपीय संघ ने 18वां प्रतिबंध पैकेज लागू कर तीसरे देशों से आने वाले रिफाइंड उत्पादों पर रोक लगा दी। इसी बीच, अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 25% तक टैरिफ लगाते हुए नैयारा एनर्जी पर सीधी सजा थोप दी। अचानक भारत की 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन रूसी क्रूड तक पहुँच खतरे में पड़ गई।

:: चीन से जुड़ाव : पश्चिमी वर्चस्व पर प्रहार

नैयारा की 4,96,000 बैरल की डीजल खेप जब वडिनार से मलेशिया के लिए रवाना हुई, तब किसी ने नहीं सोचा था कि उसका रास्ता बदलकर चीन के झोउशान पोर्ट पहुँच जाएगा। यूरोपीय प्रतिबंधों ने भारत को मजबूर किया कि वह एशिया की ओर देखे। और भारत को चीन में सिर्फ.एक ग्राहक नहीं, बल्कि समान दबावों से जूझता एक साझेदार मिल गया।

2024 में चीन ने 20 लाख बैरल प्रतिदिन से अधिक रूसी क्रूड आयात किया था। अब भारत से आया यह डीजल एशिया में नए ऊर्जा गलियारों के उभरने का संकेत है, जो पश्चिम के पकड़ को हिला रहा है।

:: यथास्थिति को चुनौती

भारत पश्चिमी देशों के इन कदमों को दोहरे मापदंड मानता है - यूरोप अब भी रूसी एलएनजी आयात करता है, जबकि भारतीय रिफाइनरियों पर पाबंदियाँ लगाई जा रही हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर 100% टैरिफ की धमकी से 91 अरब डॉलर का वार्षिक व्यापार दांव पर लग सकता है और क्वाड जैसे गठबंधनों पर असर पड़ सकता है।

भारत और चीन, दशकों की प्रतिद्वंद्विता के बावजूद, व्यावहारिक सहयोग सीख चुके हैं। आज प्रतिबंधों की आंधी में ऊर्जा व्यापार एक पुल की तरह काम कर रहा है। रूस का क्रूड और भारत की रिफाइनिंग क्षमता चीन की ऊर्जा भूख से मेल खा रही है, भले ही सीमाई तनाव और अविश्वास अभी बाकी है।पश्चिमी देशों की रूस को अलग-थलग करने की कोशिशों ने नए रास्ते खोल दिए हैं - झारीडो टैंकरद्ध रूसी तेल को रिब्रांड कर दुनिया भर में ले जा रहे हैं। यह सब प्रतिबंधों की सीमाओं की कमियों को उजागर करता है और गैर-पश्चिमी देशों को अपने स्वयं के फैसले लेने का साहस देता है।

:: नया विश्व क्रम - पर गठबंधन नहीं

भारत का चीन को डीजल निर्यात 'रूस-भारत-चीन गठबंधन' की अटकलों को भले जन्म दे सकता है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अधिक जटिल है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता ही उसका मार्गदर्शन करती है। विश्व के देशों के बीच बदलते समीकरण ने यह बता दिया है कि किसी भी देश का किसी भी देश के साथ कोई स्थायी गठबंधन नहीं होता, सिर्फ. अवसरवादी साझेदारियाँ होती हैं। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत के संबंध मजबूत बने हुए हैं, जबकि रूस और चीन से ऊर्जा संबंध उसे लचीलापन देते हैं।

:: आगे की राह

भारत के सामने दो रास्ते हैं - पश्चिमी दबाव के आगे झुककर आर्थिक व्यवधान झेलना या फिर रूस और चीन के साथ ऊर्जा गठजोड़ की कीमत चुकाने का जोखिम उठाना। इसी बीच, भारत ने तेल आयात को 40 देशों तक फैला दिया है और घरेलू ऊर्जा नवाचार व नवीकरणीय निवेश पर जोर बढ़ा दिया है।

चीन को डीजल की यह पहली खेप महज एक व्यापारिक सौदा नहीं है - यह भारत की घोषणा है कि उसे पश्चिमी प्रतिबंधों के घेरे में नहीं बांधा जा सकता। बदलती हुई दुनिया में भारत अपने भविष्य की इबारत खुद लिख रहा है।

भारत से चीन पहुँची यह डीजल खेप इस सदी का संकेत है - पश्चिम का ऊर्जा और शक्ति पर एकाधिकार टूट रहा है। वैश्विक शतरंज अब बहुध्रुवीयता की ओर झुक रही है, और भारत अपनी स्वतंत्रता और ताकत का दावा पेश कर रहा है। पश्चिम देख सकता है, लेकिन अगली चाल भारत ही चलेगा।

(लेखक इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं)

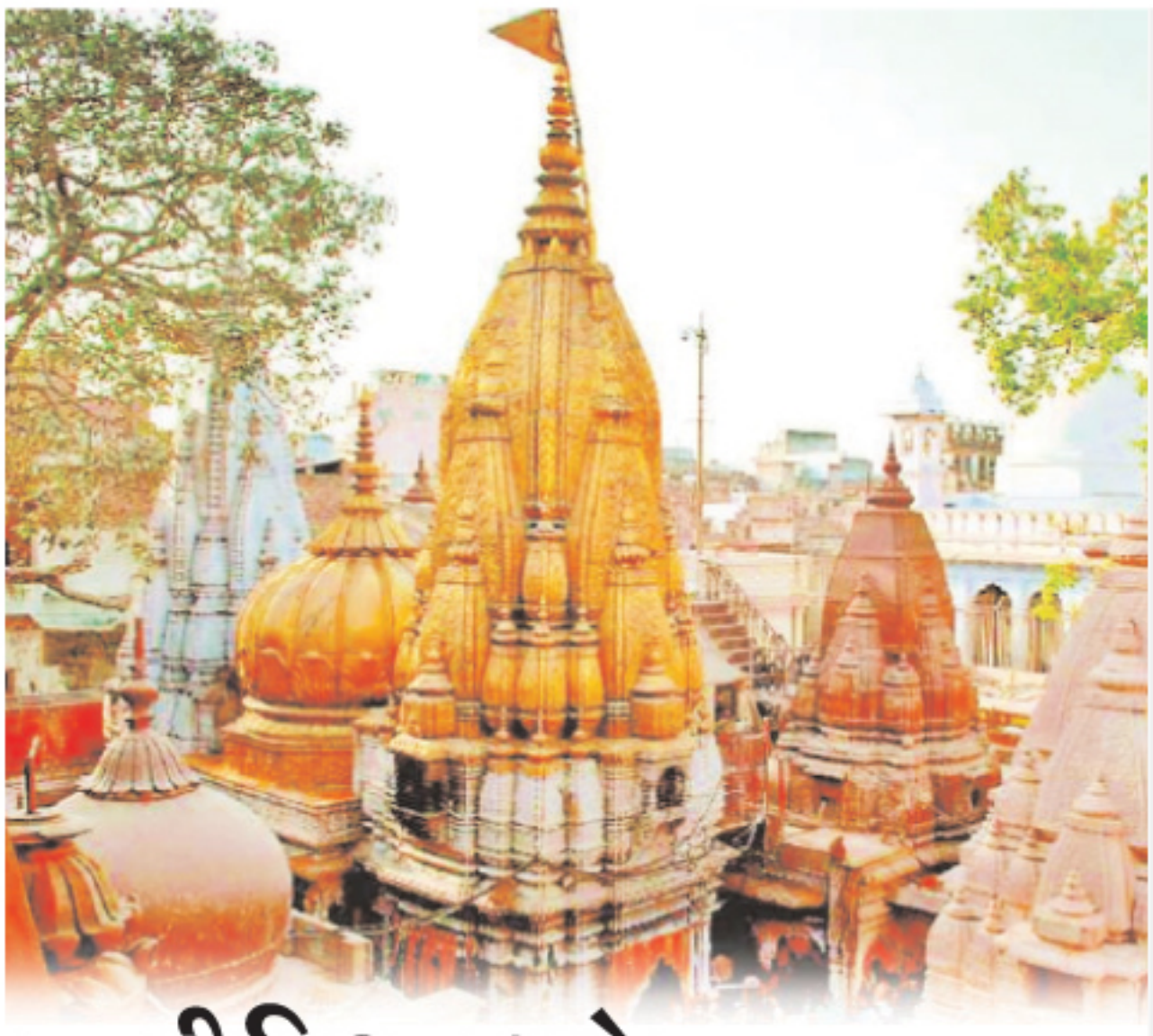

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्‌भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते है कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभुति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती है।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दुरी रंग प्रिय है इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घंटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरुड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरुड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती हैं। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थी। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7 तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेधा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बड़ी है तुंग विद्या।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकाले और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करे।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबुत नीबू लें और उसको अपने ऊपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरुप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे :

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता है।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर श्रवण पाटीदार मित्र मंडल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय एतिहासिक धार्मिक आयोजन मे बही धर्म की गंगा, उमड़ा आस्था का जन सैलाब

500 गांवो की हरि बोल प्रभात फैरी व रामधुन मण्डलियो सहित हजारों श्रद्धालुओं का डिकेन की पुण्य धरा पर हुआ एतिहासिक समागम, श्री सांवलिया सेठ की राजसी सवारी दिव्य रथ मे विराजित होकर निकली अपने भक्तों का हाल जानने पूरे नगर में

डीकेन । प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी श्रवण पाटीदार मित्र मंडल डीकेन के तत्वावधान में 5 वर्षों की ऐतिहासिक सफलता के पश्चात इस वर्ष छठवे वर्ष भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरुवार दिनांक 14 अगस्त से शनिवार दिनांक 16 अगस्त तक तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन रखा गया।आयोजन के दौरान गुरुवार दिनांक 14 अगस्त को प्रातः 8 बजे से सैकड़ो महिलाओं की उपस्थिति मे विशाल कलश यात्रा निकाली गई।बैंडबाजों की धुन पर सुमधुर स्वर लहरियों के बीच मनमोहक भजनों की धुन पर नाचते गाते एवं भगवान के जयकारे लगाते हुए कलश यात्रा गणपति चौक से प्रारंभ हुई।

जो नगर के सभी प्रमुख मार्गो से होते हुए नीमच सिंगोली रोड पर स्थित द्वारकापुरी धर्मशाला में पहुंच कर समापन हुआ।जहां पर वृंदावन से पधारे परम पूज्य गुरुदेव संत श्री कोकिल पुष्प जी महाराज विक्रम जी के द्वारा व्यास पीठ पर विराजित होकर अपने मुखारविंद से मधुर वाणी मे बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालु महिला पुरुष भक्तों को दोपहर 11बजे से 3बजे तक दिव्य अमृत वचनों का रसपान कराया गया। इसके पश्चात दिनांक 15 अगस्त शुक्रवार को दोपहर 11 से 3 तक द्वारिका पुरी धर्मशाला डिकैन में वृंदावन से पधारे संत श्री कोकिल पुष्प जी महाराज के मुखारविंद से दिव्य अमृतवाणी की वर्षा की गई।

इसके साथ ही सायं 7 बजे से प्रवचन पंडाल में श्री रामायण सत्संग मंडल डिकैन एवं श्री बंदी छोड़ बालाजी सत्संग मंडल डिकैन के मुखारविंद से श्रद्धालु महिला पुरुष भक्तों के समक्ष संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के युवा समाजसेवी भजन गायक संदीप माहेश्वरी पिंटू के द्वारा सुंदरकांड की चौपाइयों के बीच राष्ट्रीयता से ओतप्रोत देश भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतिया दी गई।साथ ही राजस्थान की प्रसिद्ध भजन गायिका संगीता पाटीदार के द्वारा भी एक से बढ़कर एक शानदार भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई।दिनांक 16 अगस्त शनिवार को लगभग 500 से भी अधिक गांवो के सैकड़ो श्रद्धालु भक्तजन हरि बोल प्रभात फेरी व रामधुन मंडलीयो का ऐतिहासिक समागम हुआ।इस दौरान पूरा नगर धर्म मय वातावरण में रंग गया।इस दौरान प्रातः 8 बजे से भगवान श्री सांवरिया सेठ की दिव्य प्रतिकृति एक राजसी रथ में विराजित होकर ढोल धमाको,बैण्ड बाजो, डीजे व रामधुन मंडलियों के आकर्षक भजनो के बीच नगर में अपने भक्तों के बीच उनका हाल जानने व दर्शन देने पहुंची। साथ ही संत श्री कोकिल पुष्प जी महाराज एवं संत श्री देवेंद्र जी शास्त्री धरियाखेड़ी भी रथ में विराजित होकर सभी भक्तों को अपना आशीर्वाद देते हुए चल रहे थे।श्री सांवलिया सेठ की राजसी सवारी एवं हजारों की संख्या में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं स्वल्पाहार से जोरदार स्वागत सत्कार किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के आयोजक श्रवण पाटीदार का भी जगह- जगह पगड़ी, साफा, कुमकुम तिलक व पुष्प माला से जोरदार स्वागत सत्कार किया गया।सांवलिया सेठ की राजसी सवारी एतिहासिक शोभा यात्रा में 500 से भी अधिक गांवो से आई हरि बोल प्रभात फैरीया व रामधुन मंडलीया एवं हजारों श्रद्धालु महिला पुरुष भक्तगण नाचते गाते भगवान के जयकारे लगाते हुए नगर के सभी प्रमुख मार्गो से होते हुए द्वारिका पुरी धर्मशाला पर पहुंच कर समाप्त हुई।

जहां परम पूज्य गुरुदेव संत श्री कोकिल पुष्प जी महाराज वृंदावन वाले एवं परम पूज्य गुरुदेव श्री देवेंद्र जी शास्त्री धरिया खेड़ी वालो के मुखारविंद से दिव्य अमृत वचनों की वर्षा की गई।इस दौरान राजस्थान की प्रसिद्ध भजन गायिका संगीता पाटीदार के द्वारा भी मंच पर आकर्षक भजन की प्रस्तुति दी गई। दोपहर 2 बजे सांवलिया सेठ की महाआरती के पश्चात महाप्रसादी सहभोज का भी आयोजन रखा गया। जिसमें हजारों महिला पुरुष श्रद्धालु भक्तों के द्वारा भोजन प्रसादी ग्रहण की गई।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक ओम प्रकाश सकलेचा, वरिष्ठ नेता पूर्व जनपद अध्यक्ष पूरणमल अहीर,वरिष्ठ नेता सत्यनारायण पाटीदार, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष पवन पाटीदार, जिला महामंत्री सुखलाल पंवार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्याम काबरा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष गौरव तिवारी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शंभूलाल धाकड़, पाटीदार समाज के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष शांतिलाल पाटीदार, पाटीदार समाज के जिलाध्यक्ष श्यामसुंदर पाटीदार, सेन समाज जिला सचिव भरत सिसोदिया, जनपद अध्यक्ष गोपाल चारण, सरवानिया मंडल अध्यक्ष अर्जुन माली, किसान मोर्चा मंडल महामंत्री रामनारायण राठौर, कैलाश सोनी मोरवन, सिंगोली नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, नयागांव नगर परिषद अध्यक्ष मुकेश जाट, डीकेन के पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष उमेंद्र व्यास,सरवानिया के पूर्व नप अध्यक्ष सुरेश जाट ,रतनगढ़ नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश मूंदड़ा, जोगेंद्र चारण, ओमप्रकाश बाल्दी, राकेश चारण, शिवनंदन छिपा, कन्हैयालाल चारण, राजेंद्र शर्मा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष लालाराम धाकड़, मंडल महामंत्री मुरली बैरागी आदि का श्रवण पाटीदार के द्वारा राजस्थानी पगड़ी एवं दुपट्टा ओड़ाकर स्वागत सत्कार किया गया। इस दौरान समारोह के आयोजक श्रवण पाटीदार के द्वारा पूज्य संत श्री कोकिल पुष्प जी महाराज,प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य संत श्री देवेंद्र जी शास्त्री धरिया खेड़ी, राजस्थान की प्रसिद्ध भजन गायिका संगीता पाटीदार एवं डीकेन नगर के सभी मंदिरो के पुजारीयो का भी व्यासपीठ के मंच से स्वागत सम्मान किया गया।समस्त कार्यक्रम का सफल संचालन युवा समाज सेवी व भाजपा नेता दिनेश पाटीदार एवं आभार प्रदर्शन समारोह के आयोजक डीकेन नगर परिषद अध्यक्ष श्रवण पाटीदार के द्वारा किया गया।

झाबुआ में चमका इनरव्हील डायमंड, डांस में जीता पहला स्थान

नीमच। इनरव्हील क्लब नीमच डायमंड की सदस्याओं ने हाल ही में आयोजित डिस्ट्रिक्ट रैली में शानदार प्रदर्शन कर डिस्ट्रिक्ट में क्लब का नाम रोशन किया। यह रैली झाबुआ शक्ति क्लब के सानिध्य में संपन्न हुई, जिसमें डिस्ट्रिक्ट 304 से 48 क्लबो की इनरव्हील सदस्याओं ने भागीदारी की ।

डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन विभा सिंह के मार्गदर्शन में हुई इस रैली में इनरव्हील डायमंड क्लब की ओर से ग्रुप डांस में अध्यक्ष पूजा गर्ग, कोषाध्यक्ष दिव्या जैन, एडिटर शिवांगी जैन एवं प्रियंका नागदा ने डांस प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की अपनी मनमोहक प्रस्तुति से टीम ने सभी का दिल जीतते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्लब की इस उपलब्धि पर अध्यक्ष पूजा गर्ग ने कहा कि यह टीमवर्क और आपसी सहयोग का परिणाम है। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्लब भविष्य में भी सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा ।

कलेक्टर द्वारा अवैध खनिज परिवहन के दो प्रकरणों में 59 हजार रूपये की शास्ति आरोपित

नीमच 19 अगस्त (निप्र)। कलेक्टर हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज परिवहन के दो प्रकरणों में अनावेदकों पर कुल 59 हजार 150 रूपये की शास्ति अधिआरोपित की गई हैं । कलेक्टर ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक वाहन मालिक रतनसिह पिता नाहर सिह सोंधिया निवासी पिपलिया नाथावत जिला नीमच द्वारा गिट्टी परिवहन हेतु रायल्टी पास नहीं पाये जानें पर खनिज की रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 5400 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपए इस प्रकार वाहन चालक ,मालिक पर कुल. 30 हजार 400 रूपए की शास्ति अधिरोपित की है। खानि अधिकारी को निर्देशित किया है कि अधिरोपित जुर्माने की राशि 30400 रूपए चालान से 15 दिवस के अन्दर शासकीय कोष में जमा होने पर जप्त शुदा वाहन ट्रेक्टर सोनालिका डीआई 42 (एमपी 44-ए-ए-6989) को मुक्त करने के संबंध में नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार खनिज विभाग द्वारा 14 अगस्त 2025 भगवानपुरा चौराहा नीमच में आकस्मिक भ्रमण के दौरान वाहन ट्रैक्टर एमपी 44-ए-ए-6989 में खनिज भरा हुआ पाया गया। वाहन चालक को रायल्टी रसीद जांच हेतु दिखाने के निर्देश दिए गए।

मौके पर वाहन चालक, मालिक के पास रेत परिवहन हेतु रायल्टी पास नहीं पाये जाने से जप्त कर पुलिस थाना नीमच सिटी की अभिरक्षा में रखा गया। तथा अवैध परिवहनकर्ता के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया था ।

इसी तरह एक अन्य प्रकरण में कलेक्टर हिमाशु चंद्रा द्वारा म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अन्य प्रकरण में अनावेदक वाहन मालिक घनश्याम पिता बद्रीलाल निवासी आंत्री खुर्द तहसील मनासा जिला नीमच द्वारा रेत परिवहन हेतु रायल्टी पास नहीं पाये जानें पर खनिज की रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 3750 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपए इस प्रकार वाहन चालक ,मालिक पर कुल. 28750 रूपए की शास्ति अधिरोपित की है।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई, आवेदकों की सुनी समस्याएं, दिए निराकरण के निर्देश

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए -85 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, बी.एस.कलेश, सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में बरूखेडा के पिंटु माली, आमली भाट के पप्पु बंजारा, जीरन के मुकेश कुमार, नीमच के राजेश लालवानी, सुवाखेड़ा के चंचल यादव, आंत्री बुजुर्ग के हीरालाल, उपरेडा की वंदना पंवार, हतुनिया के बद्रीलाल, खेडादारू की सागरबाई, मालखेड़ा के महेश, चंगेरा की राकेश कुवंर, कुण्डला के नरेन्द्र सिह, बासखेड़ी की गुड्डीबाई, ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर, अपनी समस्याएं सुनाई।

इसी तरह जन्नौद की प्रेरणा, नीमच सिटी के कशिश राठौर, मेलकी मेवाड़ की देउबाई, शिक्षक नगर नीमच के अन्वेष जैन, जेतपुरा की प्रेमबाई, केलूखेड़ा के बालुराम, देहपुर क निर्मलदास, धनेरिया के अभिमन्यु गोयल, बोलखेड़ा चंदर, माताका खेड़ा की निलम बाई, मानपुरा के देवीलाल, तेलनखेड़ी के भेरूलाल, भरभडिया के गोपाल मेघवाल, सावन के प्रकाश मोगिया, डीकेन के पुरूषोत्तम दास ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

इलाज के दौरान 15 वर्षीय किशोर की मौत

झोलाछाप चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप, पीएम रिपोर्ट आने के बाद होगी स्थिति स्पष्ट, स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी उठे सवाल

पिपलिया स्टेशन। अयोध्या बस्ती में रहने वाले 15 वर्षीय किशोर की इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिजनों और मोहल्लेवासियों ने झोलाछाप चिकित्सक पर गलत उपचार करने का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की। रात्रि में ही पुलिस ने आरोपी चिकित्सक को राउंडअप कर लिया। वहीं मंगलवार सुबह मंदसौर में सीनियर डॉक्टर्स की पैनल टीम ने मृतक का पोस्टमार्टम (पीएम) किया। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का असली कारण स्पष्ट होगा।

जानकारी के अनुसार 15 वर्षीय अजय पिता नारूलाल प्रजापत को सर्दी-जुकाम की शिकायत थी। परिजनों के अनुसार सोमवार को मोहल्ले में आए कथित डॉक्टर सोनू ने अजय का चेकअप किया और उसे बॉटल चढ़ा दी। इलाज के दौरान ही उसकी हालत बिगड़ने लगी और वह तड़पने लगा। सोनू उसे निजी वायडीएम अस्पताल ले गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद डॉक्टर मौके से फरार हो गया। अजय अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है और एक बहन घर पर है। मजदूरी करके परिवार का गुजारा करने वाले माता-पिता के लिए यह गहरा सदमा है। बेटे की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों व रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर खुलेआम क्लिनिक चला रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी के चलते इनका बोलबाला बढ़ता जा रहा है। यही लापरवाही मासूम अजय की जान पर भारी पड़ी। लोगों का कहना है कि अगर स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर जांच करता और फर्जी डॉक्टरों पर कार्रवाई होती, तो यह हादसा टाला जा सकता था। लोगों ने मांग की है कि आरोपी के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

इनका कहना....

- चौकी प्रभारी धर्मेश यादव ने बताया कि रात्रि में शिकायत मिलने के बाद आरोपी चिकित्सक को पूछताछ के लिए राउंडअप किया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद परिजनों के बयान दर्ज कर आगे उचित कार्रवाई की जाएगी।
- ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर घनश्याम पाटीदार ने कहा कि मंदसौर में सीनियर डॉक्टरों की पैनल टीम द्वारा मृतक का पोस्टमार्टम किया गया है। रिपोर्ट आने के बाद जांच कर पुलिस को सूचना दी जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई होगी।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 38,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.38,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वांरटी
के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का।
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423999, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।